



AI के सामाजिक प्रभाव व चुनौतियां

Rajni Soni, Assistant Professor, SKD University

AI को Artificial intelligence कहते हैं जिसका अर्थ कृत्रिम बुद्धिमत्ता या बनावटी बुद्धिमत्ता से है जो कि कृत्रिम तरीके से विकसित की गई है। जिसमें मशीन को कंप्यूटर प्रोग्राम की सहायता से इंसानों की तरह बनाए जाने की कोशिश की जाती है। जिसकी वजह से वह इंसानों की तरह ही सोच- समझ सके और फैसले ले सके। इसका उदाहरण हम कई बॉलिवुड में हॉलीवुड मूवी में भी देख चुके हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ समय से लोगों के जीवन का एक हिस्सा बन गई है। आजकल हम घरों व कार्यालयों में डिजिटल सहायक के रूप में अमेज़ॉन की एलेक्सा या एप्पल के सीरी को अपने रोजमर्रा के कार्यों के लिए उपयोग कर रहे हैं।

एआई का सामाजिक प्रभाव

एआई की वजह से कार्यालयों में कार्य करने की क्षमता में काफी ज्यादा बदलाव आया है। कंपनियों की उत्पादकता में वृद्धि होगी। और वे काफी कुशलता से कार्य कर सकेंगे। एआई की वजह नई सेवाएं ओर उत्पाद विकसित हो रहे हैं जिसकी वजह से नए बाजार और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। एआई का शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, रक्षा मंत्रालय, आपराधिक गतिविधियों को उजागर करने में, कौशल विकास व अन्य विभाग पर भी इसका असर हो गया है। एक आम इंसान की जिंदगी भी इनकी वजह से बहुत प्रभावित हुई है।

एआई की चुनौतियां

अगर एआई की चुनौतियों की बात करे तो सबसे पहले इसका लागत मूल्य है क्योंकि इतनी एडवांस तकनीक के उपकरणों की कीमत बहुत ज्यादा होती है। और इनकी देखभाल करना इनकी मरम्मत करवाना ये भी अपने आप में एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।

इनकी अपनी कोई संवेदनाएं नहीं हैं ये डाटा आधारित कार्य करते हैं तो इनके पास जितना अधिक डाटा होगा उतना ही ये सटीक कार्य के पाएंगे।

एआई की वजह से रोजगार के अवसर खत्म हो जाएंगे क्योंकि एआई में कार्यों को स्वचालित करने की व्यवस्था है जिस वजह से लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन ग्राफिक्स और फिल्म डिजाइनिंग में रोजगार के काफी विकल्प हैं।

निष्कर्ष

एआई का उपयोग हमारे जीवन को बहुत हद तक प्रभावित कर रहा है। लेकिन इसकी उपयोगिता के साथ साथ इसकी कई तरह की चुनौतियां भी हैं। हमारे पास इसको इस्तेमाल करने ओर इसको समझने की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए जिसकी वजह से इसका उपयोग हमारे लिए लाभकारी हो न की हानिकारक।